Tele No. 06454243314
Fax No. 06454243314
Mobile No.9473077160

समाहरणालय, पूर्णियॉ
सूचना भवन
जन संपर्क कार्यालय

Website: https://www.prdbihar.gov.in
Email ID :dpro.purnia@gmail.com

प्रेस–नोट

पूर्णियाँ 05 मई। जिले के प्रभावित परिवारों के बीच राहत वितरण के लिए स्वच्छ एवं पारदर्षी पूरक सर्वेक्षण सूची दिनांक 02.05.2015 से विषेष जांच दल द्वारा तैयार किया जा रहा है । सूची की तैयारी का कार्य अंतिम चरण में है। जैसा कि पूर्व में लगातार संदेष प्रसारित किया गया है कि जिला पदाधिकारी को व्यापक रुप से चक्रवात प्रभावित व्यक्तियों के बीच सहाय्य अनुदान/खाद्यान्न/सूखा राषन आदि के वितरण में विभिन्न श्रोतों से कतिपय षिकायतें प्राप्त हुई। इस संदर्भ में विभागीय निदेष का अनुषरण करते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा समय पर ठोस निर्णय लिया गया तथा राहत अनुदान वितरण कार्य को तत्काल रोक दिया गया। विहित प्रपत्र में संषोधित पूरक सूची प्राप्त करने के लिए पर्याप्त संख्या में विषेष जांच टीम का गठन करते हुए पूरक सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ कराया गया । पूरक सर्वेक्षण कार्य पूरा करते हुए जांच दल से 2–3 दिनों में संषोधित पूरक सूची मिल जाने की संभावना है ।

जिला पदाधिकारी, पूर्णियाँ द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण

दिनांक 22.04.2015 से प्रभावित क्षेत्रों में आम जनों से मिलकर उनकी वास्तविक क्षति एवं अबतक उपलब्ध कराई गई सरकारी सहायता की जानकारी के लिये क्षेत्रभ्रमण का सिलसिला आज भी जारी रहा । विगत 2–3 दिनों में जिला पदाधिकारी, पूर्णियाँ द्वारा बायसी, डगरुआ, कसबा, धमदाहा, बनमनखी के कई प्रभावित पंचायतों एवं नगर निगम के प्रभावित वार्डों का भ्रमण कर प्रभावित परिवारों से मिलकर इनकी स्थिति का जायजा लिया गया तथा प्रभावित परिवारों से मिलकर उनसे आवष्यक पूछताछ की गयी । इसी क्रम में आज जिला पदाधिकारी द्वारा नगर निगम के वार्ड सं0–1,2,4 एवं अन्य वार्डों का भ्रमण कर जांच दल द्वारा किये जा रहे सर्वेक्षण का भौतिक रुप से निरीक्षण किया । विषेष जांच दल के सदस्यों को जांच कार्य को गुणवत्ता पूर्वक और तीव्रता से करने का निदेष दिया गया । अभी तक जांच में कोई अनियमितता नहीं पाई गई है। सही रुप से प्रभावित परिवारों को चिन्हित कर पूर्व में दिये गये राहत एवं सहाय्य अनुदान प्राप्त करने वाले परिवारों का सत्यापन करने का निदेष दिया गया ।श वरीय पदाधिकारियों को नियमित रुप से सर्वेक्षण दल के पर्यवेक्षण तथा Random Checking करने का निदेष दिया गया ।

कृषि ईनपुट (फसल क्षति अनुदान) का सर्वेक्षण

कृषि विभाग की टीम के द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य अंतिम चरण में है । जिला पदाधिकारी को प्राप्त कराई गई प्रतिवेदन में टीम के वरीय पदाधिकारी द्वारा सूचित किया गया है कि अतिषीघ्र सूची समर्पित कर दी जायेगी । जिला पदाधिकारी द्वारा स्वयं फसल क्षति सर्वेक्षण में कार्यरत जांच दल का निरीक्षण क्षेत्र में भ्रमण कर किया जा रहा है तथा आवष्यक दिषा निदेष भी दिये जा रहे हैं । गुणवत्तापूर्ण सूची प्राप्ति के साथ हीं RTGS के माध्यम से अनुमान्य राषि का भुगतान विधिवत् तरीके से कृषकों के खाते में कर दी जायेगी ।

भूकम्प से हुए क्षति/नुकसान की जांच

दिनांक 25.04.2015 के भूकम्प के झटके से हुए नुकसान की जांच हेतु प्रस्थान किये गये सभी 15 टीमों द्वारा सर्वेक्षण का कार्य प्रगति पर है ।

भ्रमण के दौरान अनियमितता के लिए कारवाई

जिला पदाधिकारी द्वारा दिनांक–4.05.2015 को कसबा प्रखंड के सब्दलपुर के समीप नगर पंचायत, कसबा में फसल सर्वेक्षण दल यथा किसान सलाहकार श्री सुभाष कुमार एवं ए0टी0एम0 श्रीमती सुमन कुमारी से पूछ–ताछ के दौरान पाया गया कि इनलोगों के द्वारा फसल क्षति का सर्वेक्षण कार्य जिला स्तर से दिये गये निदेष के अन्तर्गत नहीं किया जा रहा है । इनके पास निर्गत विहित प्रपत्र भी नहीं पाया गया। जिला कृषि पदाधिकारी को निदेष दिया गया कि वे तुरंत जांच टीम को विहित प्रपत्र उपलब्ध करायें तथा इनके द्वारा की जा रही अनियमितता के लिए चिन्हित करते हुए कड़ी अनुषासनिक कार्रवाई सुनिष्चित करने का निदेष दिया गया ।

अब तक विषेष जांच दल द्वारा दिनांक–04.05.15 तक कुल 21979 प्रभावित परिवारों का भौतिक सत्यापन कर किया गया है तथा कुल 7565 गृहक्षति का भौतिक सत्यापन कर फोटोग्राफी के साथ विहित प्रपत्र में सूचना एकत्र कर ली गयी है।

चक्रवात तूफान से क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वेक्षण पर वृतचित्र के निर्माण का निर्णय

जिला पदाधिकारी द्वारा क्षतिग्रस्त मकानों के संबंध में वृतचित्र तैयार करने का निर्णय लिया गया । जिला पदाधिकारी द्वारा चक्रवात तूफान से हुए गृहक्षति के संबंध में एक वृतचित्र(Documentry Film) तैयार कराने का निर्णय लिया गया है जिसमें क्षतिग्रस्त टीन शेड वाले मकान(पूर्णतः/अंषतः) का विवरण फोटो सहित एवं वैसे टीनषेड वाले मकान जिनका निर्माण एवं डिजाइन क्षति हुए मकानों से अलग था, का तुलनात्मक विष्लेषण कर आमलोगों को जागरुक किया जायेगा । वृतचित्र प्रभावित क्षेत्र के पंचायतों में दिखाकर लोगों को चक्रवातीय तूफान से सुरक्षित रहने वाले मकान निर्माण एवं डिजाइन के संबंध में जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी ताकि पुर्ननिर्माण में लोग उस पद्धति एवं डिजाइन के मकान का निर्माण कर सकें । साथ हीं समाचार पत्रों के माध्यम से भी जिला प्रषासन द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति सूचना के रुप में जारी कर लोगों को गृह निर्माण के संबंध में आवष्यक जानकारी दी जाय । इन बिन्दुओं पर जल्द ही जिला प्रषासन द्वारा निर्णय ले लिया जायेगा ।

जिला सूचना एवं जन सम्पर्क पदाधिकारी,
पूर्णियाँ

अपर समाहर्ता

कृपया उपरोक्त कार्यालय टिप्पणी । जिला पदाधिकारी महोदय के निदेषानुसार दिनांक–21.04.2015 को जिले में आये चक्रवाती तूफान में पूर्णियाँ जिले के कई प्रखण्डों यथा–डगरुवा, बायसी, पूर्णियाँ पूर्व, कसबा, के.नगर, धमदाहा, बी0कोठी, बनमनखी एवं नगर निगम क्षेत्र पूर्णियाँ में काफी शांत एवं नुकसान हुआ । सबसे ज्यादा प्रभावित अंचल डगरुआ में गृह एवं फसल क्षति प्रथमदृष्टया पाया गया । गृहक्षति के भौतिक सत्यापन में यह बात सामने आयी कि सबसे ज्यादा वैसे कच्चे मकान ध्वस्तहुए हैं जिसमें छत टीन के चदरा या एसबेस्टेस चक्रवाती तूफान में उड़ गया है । परंतु जिनके मकान पर गुंबदनुमा या Aerodyna के आकार का छत टीन चदरा या एसबेस्टस का बनाया गया था उनके मकान में तनिक भी क्षति नहीं हुई है । इस तुलनात्मक सर्वेक्षण से यह स्पष्ट होता है कि टीन चदरा के छत निर्माण में कुछ तकनीकि बदलाव करने हेतु लोगों को जागरुक करना अत्यावष्यक है। लोगों के बीच जागरुकता लाने हेतु स्थानीय भाषा में तकनीकि पहलुओं की बारीकियों को तुलनात्मक विष्लेषण द्वारा एक वृत चित्र के द्वारा उनके बीच प्रसारित कर किया जा सकता है ।

यदि मान्य हो तो सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार, पटना द्वारा अनुमान्य दर एवं संगत प्रावधान के अन्तर्गत(अनुमान्य दर तालिका पृष्ट..... पर संधारित है) 15(पन्द्रह) मिनट का वृत चित्र स्थानीय स्तर पर तैयार कराने का निर्णय लिया जा सकता है ।

विभाग के अनुमान्य दर के अनुसार 15 मिनट के वृत चित्र जिसमें Introduction क्षतिग्रस्त मकानों का वीडियो क्लिप, स्टेटिक फोटोग्राफ, तुलनात्मक विवरण का अध्ययण, तकनीकि पहलु का विष्लेषण, आर्किटेक्ट के द्वारा विष्लेषण एवं कम लागत के मकान का डिजाइन का क्लिप तथा नाट्य रुपांतरण द्वारा स्थानीय भाषा में आम जनता के जागरुकता का संदेष शामिल हो, के निर्माण में लगभगरु0 150000.00(एक लाख पचास हजार)मात्र की लागत आयेगी ।

पुनः जिला सूचना एवं जन संपर्क कार्यालय, पूर्णियाँ के पास अभी किसी भी प्रकार की कोई निधि उपलब्ध नहीं है । इस कार्य हेतु उक्त वर्णित राषि की भी मांग हेतु विभाग से पत्राचार किया जा सकता है और तत्काल आपदा प्रबंधन शाखा से राषि इस प्रयोजनार्थ खर्च की जा सकती है ।

अतः उपरोक्त वर्णित संपूर्ण तथ्यों के आलोक में जिला पदाधिकारी से स्वीकृति हेतु संचिका उपस्थापित की जा सकती है । तदृनुसार अग्रेतर कार्रवाई हेतु संचिका उपस्थापित। कृपया ।